वेदमूर्ति पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जी द्वारा रचित

युग निर्माण योजना के सद्वाक्य (Corrected)

१. दूसरों के साथ वह व्यवहार न करो, जो तुम्हें अपने लिए पसंद नहीं।

1. Do not do unto others what you would not like to be done unto you.

२. जिन्हें लम्बी जिंदगी जीनी हो, वे बिना कड़ी भूख लगे कुछ भी न खाने की आदत डालें ।

2. Those who wish to live healthier and longer should make it a habit not to eat anything unless they feel very hungry.

३. जिसने जीवन में स्नेह-सौजन्य का समुचित समावेश कर लिया, सचमुच वह सबसे बड़ा कलाकार है।

3. One who has imbibed the virtue of loving kindness has indeed learnt the true art of living.

४. विपरीत परिस्थितियों में भी जो ईमान, साहस और धैर्य को कायम रख सके वस्तुतः वही सच्चा शूरवीर है।

4. One who maintains his honesty, courage and patience even in adversity is truly a brave person.

५. कायर मृत्यु से पूर्व अनेकों बार मरता है, जबकि बहादुर को मरने के दिन ही मरना पड़ता है।

5. A coward dies several times before death but the brave dies only once.

६. ईर्ष्या आदमी को उसी तरह खा जाती है, जैसे कपड़ों को कीड़ा।

6. Jealousy eats a person in the same way as the moth eats the cloth.

७. ईमानदार होने का अर्थ है—हजार मनकों में से अलग चमकने वाला हीरा।

7. An honest person is like a sparkling diamond among thousand beads.

८. अपनी रोटी-मिल-बाँट कर खाओ, ताकि तुम्हारे सभी भाई सुखी रह सकें।

8. Share your bread with the needy; this is love-in-action, to keep everyone happy.

९. जीवन का अर्थ है 'समय'। जो जीवन से प्यार करते हों, वे आलस्य में समय न गवायें।

9. Life is 'time'; those who love life should not waste it in laziness.

१०. गृहस्थ एक तपोवन है, जिसमें संयम, सेवा और सहिष्णुता की साधना करनी पड़ती है।

10. Domestic life is like a sacred grove where the austerities of self-control, service and tolerance have to be performed.

११. पाप अपने साथ रोग, शोक, पतन और संकट भी लेकर आता है।

11. Sin always comes with four accomplices - decline, disgrace, distress and disease.

१२. सार्थक और प्रभावी उपदेश वह है, जो वाणी से नहीं; अपने आचरण से प्रस्तुत किया जाता है।

12. Effective and meaningful teaching is that which is given not by speech but by example.

१३. अपना मूल्य समझो और विश्वास करो कि तुम संसार के सबसे महत्त्वपूर्ण व्यक्ति हो

13. Realize your worth and believe that you are uniquely made by the almighty in the world.

१४. मनुष्य का जन्म तो सहज होता है, पर मनुष्यता उसे कठिन प्रयत्न से प्राप्त करनी पड़ती है।

14. The birth as a human being is easy but it requires a great effort to be humane.

१५. अनजान होना उतनी लज्जा की बात नहीं, जितनी सीखने के लिए तैयार न होना।

15. Being ignorant is not that shameful as lack of eagerness to learn.

१६. असफलता केवल यह सिद्ध करती है कि सफलता का प्रयास पूरे मन से नहीं हुआ।

16. Failure indicates half-hearted effort towards success.

१७. देवता आशीर्वाद देने में तब गूँगे रहते हैं, जब हमारा हृदय उनकी वाणी सुनने में बहरा रहता है।

17. Gods become dumb in showering blessings when we turn a deaf ear to their sermons.

१८. सभ्यता का स्वरूप है—'सादगी', अपने लिए कठोरता और दूसरों के लिए उदारता।

18. The identity of a civilized man is his modesty: hard on the self and soft on others.

१९. योग्यता और परिस्थिति को ध्यान में रखकर महत्त्वाकांक्षाएँ न गढ़ने वाला दु:खी रहता और उपहास सहता है।

19. He who makes castles in the air without considering his worth and circumstances makes himself an object of ridicule.

२०. पढ़ने योग्य लिखा जाय, इससे लाख गुणा बेहतर यह है कि लिखने योग्य किया जाय।

20. Instead of writing something worthwhile, it is million times better to do something worth writing on.

२१. दूसरों के साथ वैसी ही उदारता बरतो, जैसी ईश्वर ने तुम्हारे साथ बरती है।

21. Be as generous to others as God is to you.

२२. बुद्धिमान वे हैं, जो बोलने से पहले सोचते हैं; मूर्ख वे हैं, जो बोलते पहले और सोचते बाद में हैं।

22. Wise are those who think before speaking; and fools are those who speak first and think later.

२३. परमेश्वर का प्यार केवल सदाचारी और कर्तव्य-परायणों के लिए सुरक्षित है।

23. God's love is reserved only for virtuous and responsible persons.

२४. जो बच्चों को सिखाते हैं, उन पर बड़े खुद अमल करें, तो यह संसार स्वर्ग बन जाए।

24. This world would be Heaven if we practice what we preach to our children.

२५. सबसे बड़ा दीन दुर्बल वह है, जिनका अपने ऊपर नियंत्रण नहीं।

25. The most wretched person is one who does not have self-control.

२६. अच्छी पुस्तकें जीवन्त देव-प्रतिमाएँ हैं। उनकी आराधना से तत्काल प्रकाश और उल्लास मिलता है।

26. Scriptures and holy books are like teachers who impart life-transforming teachings without caning or admonition.

२७. मनुष्य परिस्थितियों का दास नहीं, वह उनका निर्माता, नियंत्रणकर्ता और स्वामी है।

27. Man is not the slave of circumstances. He is the creator, controller and master of them.

२८. आलस्य से बढ़कर अधिक घातक और अधिक समीपवर्ती शत्रु कोई और नहीं।

28. There is no foe more dangerous and nearer than laziness.

२९. आय से अधिक खर्च करने वाले तिरस्कार सहते और कष्ट भोगते हैं।

29. Spendthrifts are prone to disgrace and suffering.

३०. किसी का सुधार उपहास से नहीं, उसे नये सिरे से सोचने और बदलने का अवसर देने से होता है।

30. It is possible to reform a person not by ridicule but by giving him an opportunity to think afresh and change himself.

३१. जो जैसा सोचता और करता है, वह वैसा ही बन जाता है।

31. One becomes what one thinks and does.

३२. सज्जन अमीरी में गरीब जैसे नम्र और गरीबी में अमीर जैसे उदार होते हैं।

32. A noble person remains humble in times of abundance; and generous in times of poverty.

३३. कुकर्मी से बढ़कर अभागा कोई नहीं, क्योंकि विपत्ति में उसका कोई साथी नहीं रहता।

33. No one is more unfortunate than a wicked person because no one accompanies him in adversity.

३४. बड़प्पन अमीरी में नहीं; ईमानदारी और सज्जनता में सन्निहित है।

34. Not riches, but nobility of character and honesty are the true touchstones of greatness.

३५. उन्हें मत सराहो, जिनने अनीतिपूर्वक सफलता पाई और सम्पत्ति कमाई।

35. Don't praise them, who earned their fortunes by unfair means.

३६. प्यार और सहकार से भरा पूरा परिवार ही धरती का स्वर्ग होता है।

36. A family knit together, by bonds of loving cooperation and mutual understanding, is a living model of heaven on earth.

३७. प्रसन्न रहने के दो उपाय—आवश्यकताएँ कम करें और परिस्थितियों से तालमेल बिठायें।

37. There are only two ways to be happy: minimize your needs; and harmonize with the circumstances.

३८. काम की अधिकता से नहीं, आदमी उसे भार समझकर अनियमित रूप से करने पर थकता है।

38. A man does not get tired by the enormity of work but by considering it as a burden and doing it irregularly.

३९. जो अपनी सहायता आप करने को तत्पर हैं, ईश्वर केवल उन्हीं की सहायता करता है।

39. God helps those who help themselves.

४०. अपने को मनुष्य बनाने का प्रयत्न करो, यदि इसमें सफल हो गए, तो हर काम में सफलता मिलेगी।

40. Try to be humane. If you succeed in it, you will succeed everywhere.

४१. सच्चरित्र और नि:स्वार्थ लोकसेवी ही किसी राष्ट्र को ऊँचा उठा सकता है।

41. Only a virtuous and selfless social worker can uplift the nation.

४२. घमण्डी के लिए कहीं कोई ईश्वर नहीं, ईर्ष्यालु का कोई पड़ोसी नहीं और क्रोधी का कोई मित्र नहीं।

42. There is no God for the egotist, no neighbor for the jealous and no friend for the angry person.

४३. सद्गुणों की खाद और सच्चाई का पानी पाकर व्यक्तित्व का पौधा विकसित होता है।

43. The plant of personality grows when it gets a fertilizer of virtues and the watering of honesty.

४४. यदि दुनिया तुम्हारे कार्यों की प्रशंसा करती है, तो इसमें कुछ भी बुरा नहीं, खतरा तब है, जब तुम प्रशंसा पाने के लिए किसी काम को करते हो।

44. There is nothing wrong if people praise you for good deeds; but the danger lies ahead if you do something in order to get praise.

४५. पुष्प की तरह खिलें, चन्दन की तरह सुगन्धित बनें तो भगवान भी सिर पर रखेंगे।

45. Be joyful like a flower and fragrant like a perfume; then even God will cherish you.

४६. चिंता और चिता में इतना ही अन्तर है कि एक अदृश्य है और दूसरी प्रत्यक्ष।

46. The only difference between 'anxiety' and 'funeral pyre' is that one is invisible and another is visible.

४७. किसी को कुछ देने की इच्छा हो, तो आत्म-विश्वास जगाने वाला प्रोत्साहन सर्वोत्तम उपहार के रूप में दें।

47. If you wish to gift something to someone, then give the best gift of encouragement that can awaken one's self-confidence.

४८. लोग क्या कहते हैं, इस पर ध्यान मत दो। सिर्फ यह देखो कि जो करने योग्य था, वह बन पड़ा या नहीं।

48. Don't pay attention to what people say. Instead, see whether the goal that was worth attaining has been achieved or not.

४९. मनुष्य कर्म करने में स्वतंत्र है, परन्तु इनके परिणामों में चुनाव की कोई सुविधा नहीं।

49. A man is free to do anything; but there is no choice regarding the selection of its consequences.

५०. शालीनता बिना मोल मिलती है, पर उससे सब कुछ खरीदा जा सकता है।

50. Nobility is available free of cost, but everything can be acquired through it.

५१. फूलों की सुगंध हवा के प्रतिकूल नहीं फैलती, पर सद्‌गुणों की कीर्ति दसों दिशाओं में फैलती है।

51. The fragrance of flowers does not spread against the direction of wind, but the fame of noble virtues spreads in all directions.

५२. अपनी प्रसन्नता दूसरे की प्रसन्नता में लीन कर देने का नाम ही 'प्रेम' है।

52. Merging one's happiness into that of others is called 'love'.

Gayatri Mantra:

We embrace that supreme being, the effulgent divine sun, the ultimate life force, omnipresent and omnipotent, the destroyer of all sins and sufferings and the bestower of bliss. May he inspire and enlighten our intellect to follow righteous path.